

रविवार 22 जून, 2025

विषय — क्या ब्रह्मांड, मनुष्य सहित, परमाणु बल द्वारा विकसित है?

स्वर्ण पाठ: भजन संहिता 24 : 1

"पृथ्वी और जो कुछ उस में है यहोवा ही का है; जगत और उस में निवास करने वाले भी।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 95 : 1-7

- ¹ आओ हम यहोवा के लिये ऊंचे स्वर से गाएं, अपने उद्धार की चट्टान का जयजयकार करें!
- ² हम धन्यवाद करते हुए उसके सम्मुख आएँ, और भजन गाते हुए उसका जयजयकार करें!
- ³ क्योंकि यहोवा महान ईश्वर है, और सब देवताओं के ऊपर महान राजा है।
- ⁴ पृथ्वी के गहिरे स्थान उसी के हाथ में हैं; और पहाड़ों की चोटियाँ भी उसी की हैं।
- ⁵ समुद्र उसका है, और उसी ने उसको बनाया, और स्थल भी उसी के हाथ का रचा है॥
- ⁶ आओ हम झुक कर दण्डवत करें, और अपने कर्ता यहोवा के साम्हने घुटने टेकें!
- ⁷ क्योंकि वही हमारा परमेश्वर है, और हम उसकी चराई की प्रजा, और उसके हाथ की भेंटें हैं॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. भजन संहिता 46 : 1-3 (से 1st .), 4-7 (से 1st .), 8 (से 2nd .), 9, 10

- ¹ परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में अति सहज से मिलने वाला सहायक।
- ² इस कारण हम को कोई भय नहीं चाहे पृथ्वी उलट जाए, और पहाड़ समुद्र के बीच में डाल दिए जाएं;
- ³ चाहे समुद्र गरजे और फेन उठाए, और पहाड़ उसकी बाढ़ से कांप उठें॥
- ⁴ एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में अर्थात् परमप्रधान के पवित्र निवास भवन में आनन्द होता है।

- 5 परमेश्वर उस नगर के बीच में है, वह कभी टलने का नहीं; पौ फटते ही परमेश्वर उसकी सहायता करता है।
- 6 जाति जाति के लोग झल्ला उठे, राज्य राज्य के लोग डगमगाने लगे; वह बोल उठा, और पृथ्वी पिघल गई।
- 7 सेनाओं का यहोवा हमारे संग है; याकूब का परमेश्वर हमारा ऊंचा गढ़ है॥
- 8 आओ, यहोवा के महाकर्म देखो, कि उसने पृथ्वी पर कैसा कैसा उजाड़ किया है।
- 9 वह पृथ्वी की छोर तक लड़ाइयों को मिटाता है; वह धनुष को तोड़ता, और भाले को दो टुकड़े कर डालता है, और रथों को आग में झोंक देता है!
- 10 चुप हो जाओ, और जान लो, कि मैं ही परमेश्वर हूं। मैं जातियों में महान हूं, मैं पृथ्वी भर में महान हूं!

2. न्यायियों 6 : 11, 12, 14-16, 23, 24 (से:)

- 11 फिर यहोवा का दूत आकर उस बांजवृझ के तले बैठ गया, जो ओप्रा में अबीएजेरी योआश का था, और उसका पुत्र गिदोन एक दाखरस के कुण्ड में गेहूं इसलिये झाड़ रहा था कि उसे मिद्यानियों से छिपा रखे।
- 12 उसको यहोवा के दूत ने दर्शन देकर कहा, हे शूरवीर सूरमा, यहोवा तेरे संग है।
- 14 तब यहोवा ने उस पर दृष्टि करके कहा, अपनी इसी शक्ति पर जा और तू इस्राएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ाएगा; क्या मैं ने तुझे नहीं भेजा?
- 15 उसने कहा, हे मेरे प्रभु, बिनती सुन, मैं इस्राएल को क्योंकर छुड़ाऊ? देख, मेरा कुल मनश्शे में सब से कंगाल है, फिर मैं अपने पिता के घराने में सब से छोटा हूं।
- 16 यहोवा ने उस से कहा, निश्चय मैं तेरे संग रहूंगा; सो तू मिद्यानियों को ऐसा मार लेगा जैसा एक मनुष्य को।
- 23 यहोवा ने उस से कहा, तुझे शान्ति मिले; मत डर, तू न मरेगा।
- 24 तब गिदोन ने वहां यहोवा की एक वेदी बनाकर उसका नाम यहोवा शालोम रखा।

3. न्यायियों 7 : 1 (से 5th), 8, 9, 16, 19-23

- 1 तब गिदोन जो यरूबाल भी कहलाता है और सब लोग जो उसके संग थे सवेरे उठे, और हरोद नाम सोते के पास अपने डेरे खड़े किए; और मिद्यानियों की छावनी उनकी उत्तरी ओर मोरे नाम पहाड़ी के पास तराई में पड़ी थी॥
- 8 तब उन लोगों ने हाथ में सीधा और अपने अपने नरसिंगे लिए; और उसने इस्राएल के सब पुरुषों को अपने अपने डेरे की ओर भेज दिया, परन्तु उन तीन सौ पुरुषों को अपने पास रख छोड़ा; और मिद्यान की छावनी उसके नीचे तराई में पड़ी थी॥
- 9 उसी रात को यहोवा ने उस से कहा, उठ, छावनी पर चढ़ाई कर; क्योंकि मैं उसे तेरे हाथ कर देता हूं।

- 16 तब उसने उन तीन सौ पुरुषों के तीन झुण्ड किए, और एक एक पुरुष के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ों के भीतर एक मशाल थी।
- 19 बीच वाले पहर के आदि में ज्योंही पहरूओं की बदली हो गई थी त्योंही गिदोन अपने संग के सौ पुरुषों समेत छावनी की छोर पर गया; और नरसिंगे को फूंक दिया और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला।
- 20 तब तीनों झुण्डों ने नरसिंगों को फूँका और घड़ों को तोड़ डाला; और अपने अपने बाएं हाथ में मशाल और दाहिने हाथ में फूँकने को नरसिंगा लिए हुए चिल्ला उठे, यहोवा की तलवार और गिदोन की तलवार।
- 21 तब वे छावनी के चारों ओर अपने अपने स्थान पर खड़े रहे, और सब सेना के लोग दौड़ने लगे; और उन्होंने चिल्ला चिल्लाकर उन्हें भगा दिया।
- 22 और उन्होंने तीन सौ नरसिंगों को फूँका, और यहोवा ने एक एक पुरुष की तलवार उसके संगी पर और सब सेना पर चलवाई; तो सेना के लोग सरेरा की ओर बेतशित्ता तब और तब्बात के पास के आबेलमहोला तक भाग गए।
- 23 तब इस्राएली पुरुष नप्ताली और आशेर और मनश्शे के सारे देश से इकट्ठे हो कर मिद्यानियों के पीछे पड़े।

4. न्यायियों 8 : 22, 23

- 22 तब इस्राएल के पुरुषों ने गिदोन से कहा, तू हमारे ऊपर प्रभुता कर, तू और तेरा पुत्र और पोता भी प्रभुता करे; क्योंकि तू ने हम को मिद्यान के हाथ से छुड़ाया है।
- 23 गिदोन ने उन से कहा, मैं तुम्हारे ऊपर प्रभुता न करूंगा, और न मेरा पुत्र तुम्हारे ऊपर प्रभुता करेगा; यहोवा ही तुम पर प्रभुता करेगा।

5. अय्यूब 5 : 8, 9, 12, 13, 19-21, 24 (से;)

- 8 परन्तु मैं तो ईश्वर ही को खोजता रहूंगा और अपना मुकद्दमा परमेश्वर पर छोड़ दूंगा।
- 9 वह तो ऐसे बड़े काम करता है जिनकी थाह नहीं लगती, और इतने आश्चर्यकर्म करता है, जो गिने नहीं जाते।
- 12 वह तो धूर्त लोगों की कल्पनाएं व्यर्थ कर देता है, और उनके हाथों से कुछ भी बन नहीं पड़ता।
- 13 वह बुद्धिमानों को उनकी धूर्तता ही में फंसाता है; और कुटिल लोगों की युक्ति दूर की जाती है।
- 19 वह तुझे छः विपत्तियों से छुड़ाएगा; वरन सात से भी तेरी कुछ हानि न होने पाएगी।
- 20 अकाल में वह तुझे मृत्यु से, और युद्ध में तलवार की धार से बचा लेगा।
- 21 तू वचनरूपी कोड़े से बचा रहेगा और जब विनाश आए, तब भी तुझे भय न होगा।
- 24 और तुझे निश्चय होगा, कि तेरा डेरा कुशल से है।

6. रोमियो 13 : 1

- 1 हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के आधीन रहे; क्योंकि कोई अधिकार ऐसा नहीं, जो परमेश्वर की ओर स न हो; और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 295 : 5-8

भगवान मनुष्य सहित ब्रह्मांड का निर्माण और संचालन करता है। ब्रह्मांड आध्यात्मिक विचारों से भरा है, जिसे वह विकसित करता है, और वे मन के आज्ञाकारी हैं जो उन्हें बनाता है।

2. 5 : 16 (ईश्वर)-18

भगवान अपने प्यार की दौलत को समझ और प्यार में डालते हैं, जिससे हमें अपने दिन के मुताबिक ताकत मिलती है।

3. 517 : 30-4 (से 2nd .)

दिव्य प्रेम अपने विचारों को आशीर्वाद देता है तथा उन्हें बढ़ाता है, जिससे उसकी शक्ति प्रकट होती है। मिट्टी की खेती करने के लिए आदमी नहीं बनाया गया है। उसका जन्मसिद्ध अधिकार है, अधीनता नहीं। वह पृथ्वी और स्वर्ग में विश्वास का स्वामी है, - स्वयं अपने निर्माता के अधीन है। यह होने का विज्ञान है।

4. 192 : 17-26

नैतिक और आध्यात्मिक आत्मा से संबंधित हो सकते हैं, जो "मुट्टी में हवा" रखता है; और यह शिक्षण विज्ञान और सद्भाव के साथ उच्चारण करता है। विज्ञान में, आपके पास भगवान के विपरीत कोई शक्ति नहीं हो सकती है, और शारीरिक इंद्रियों को अपनी झूठी गवाही देनी चाहिए। अच्छे के लिए आपका प्रभाव आपके द्वारा सही पैमाने पर फेंके गए वजन पर निर्भर करता है। आप जो अच्छा करते हैं और अवतार लेते हैं वह आपको एकमात्र शक्ति प्राप्त करने योग्य बनाता है। बुराई शक्ति नहीं है। यह ताकत का मजाक है, जो अपनी कमजोरी को मिटाता है और गिरता है, कभी नहीं उठता।

5. 12 : 31-4

दिव्य विज्ञान में, जहां प्रार्थनाएं मानसिक होती हैं, वहां सभी ईश्वर का लाभ उठा सकते हैं जो "संकट में अति सहज से सहायक" है प्रेम अपने अनुकूलन और सर्वश्रेष्ठ में निष्पक्ष और सार्वभौमिक है। यह खुला फव्वारा है जो कहता है, "हो, हर एक कि प्यास, तुम पानी के करीब आओ।"

6. 544 : 10-17

पदार्थ इस शाश्वत तथ्य को नहीं बदल सकता कि मनुष्य का अस्तित्व इसलिए है क्योंकि ईश्वर का अस्तित्व है। अनंत मन के लिए कुछ भी नया नहीं है।

विज्ञान में मन न तो पदार्थ उत्पन्न करता है और न ही पदार्थ मन उत्पन्न करता है। किसी भी नश्वर मन में बनाने या नष्ट करने की शक्ति या अधिकार या ज्ञान नहीं है। सब कुछ एक ही मन के अधीन है, यहाँ तक कि ईश्वर भी।

7. 293 : 13-16

तथाकथित गैसों और बल, दिव्य मन की आध्यात्मिक शक्तियों के प्रतिरूप हैं, जिनकी सामर्थ्य सत्य है, जिनका आकर्षण प्रेम है, जिनका आसंजन और सामंजस्य जीवन है, होने के शाश्वत तथ्यों को नष्ट कर देता है।

8. 124 : 3-10, 14-31

भौतिक विज्ञान (तथाकथित) मानव ज्ञान है, - नश्वर मन का एक नियम, एक अंध विश्वास, एक सैमसन अपनी ताकत का कफन। जब इस मानवीय विश्वास में इसका समर्थन करने के लिए संगठनों का अभाव है, तो इसकी नींव खत्म हो गई है। न तो नैतिक शक्ति, आध्यात्मिक आधार, और न ही स्वयं का पवित्र सिद्धांत होने के कारण, यह विश्वास कारण के लिए गलतियाँ करता है और पदार्थ में जीवन और बुद्धि की खोज करता है, इस प्रकार जीवन सीमित हो जाता है तथा कलह और मृत्यु जकड़ी रहती है।

ब्रह्मांड, मनुष्य की तरह, विज्ञान द्वारा अपने दिव्य सिद्धांत, ईश्वर से व्याख्या की जानी है, और फिर इसे समझा जा सकता है; लेकिन जब भौतिक अर्थों के आधार पर समझाया जाता है और विकास, परिपक्वता और क्षय के विषय के रूप में प्रतिनिधित्व किया जाता है, तो ब्रह्मांड, जैसे मनुष्य, है और होना चाहिए, एक रहस्य है।

आसंजन, सामंजस्य और आकर्षण मन के गुण हैं। वे दिव्य सिद्धांत से संबंधित हैं, और उस विचार-शक्ति के उपसंहार का समर्थन करते हैं, जिसने पृथ्वी को अपनी कक्षा में लॉन्च किया और गर्व की लहर से कहा, "यहां तक और इसके आगे नहीं।"

आत्मा सभी चीजों का जीवन, पदार्थ और निरंतरता है। हम ताकतों पर चलते हैं। उन्हें वापस ले लें, और सृजन को ढह जाना चाहिए। मानव ज्ञान उन्हें पदार्थ की ताकत कहता है; लेकिन दिव्य विज्ञान घोषित करता है कि वे पूर्ण रूप से दिव्य मन से संबंधित हैं, इस दिमाग में निहित हैं, और इसलिए उन्हें उनके सही घर और वर्गीकरण के लिए पुनर्स्थापित करता है।

9. 547 : 25-30

मनुष्य सहित ब्रह्मांड का सही सिद्धांत भौतिक इतिहास में नहीं बल्कि आध्यात्मिक विकास में है। प्रेरित विचार ब्रह्मांड की एक सामग्री, कामुक, और नश्वर सिद्धांत को त्यागता है, और आध्यात्मिक और अमरता को अपनाता है।

10. 96 : 4-20, 25-4

प्रेम अंत में सद्भाव के समय को चिह्नित करेगा, और आध्यात्मिकता का पालन करेगा, क्योंकि प्रेम आत्मा है। इससे पहले कि त्रुटि पूर्ण रूप से नष्ट हो जाए, सामान्य सामग्री की दिनचर्या में रुकावटें आएंगी। पृथ्वी नीरस और उजाड़ हो जाएगी, लेकिन गर्मी और सर्दी, बीज और फसल (हालांकि बदले हुए रूपों में), अंत तक जारी रहेगी, - जब तक कि सभी चीजों का अंतिम आध्यात्मिकरण नहीं हो जाता। "सबसे गहरा समय सुबह से पहले होता है।"

यह भौतिक दुनिया अब भी परस्पर विरोधी ताकतों के लिए अखाड़ा बन रही है। एक तरफ कलह और निराशा होगी; दूसरी तरफ विज्ञान और शांति होगी। भौतिक विश्वासों का टूटना अकाल और महामारी, चाहत और शोक, पाप, बीमारी और मृत्यु के रूप में प्रतीत हो सकता है, जो तब तक नए चरणों को मानते हैं जब तक कि उनका कुछ भी दिखाई नहीं देता। ये गड़बड़ी त्रुटि के अंत तक जारी रहेगी, जब सभी कलह को आध्यात्मिक सत्य में निगल लिया जाएगा।

जैसे-जैसे यह अंतर्ग्रहण समीप आता जाता है, वह दिव्य विज्ञान के अनुसार अपने पाठ्यक्रम को आकार देता गया है। जैसे-जैसे भौतिक ज्ञान कम होता जाता है और आध्यात्मिक समझ बढ़ती है, वास्तविक वस्तुओं को भौतिक के बजाय मानसिक रूप से पकड़ा जाएगा।

इस अंतिम संघर्ष के दौरान, दुष्ट दिमाग ऐसे साधनों को खोजने का प्रयास करेगा जिनके द्वारा अधिक बुराई को पूरा किया जा सके; लेकिन जो लोग क्रिश्चियन साइंस को समझते हैं, वे अपराध को रोकेंगे। वे त्रुटि की अस्वीकृति में सहायता करेंगे। वे कानून और व्यवस्था बनाए रखेंगे और आनंदपूर्वक परम पूर्णता की निश्चितता का इंतजार करेंगे।

11. 516 : 4-8

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिपचरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एडडी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

पदार्थ, जीवन, बुद्धि, सत्य और प्रेम, जो देवता का निर्माण करते हैं, उनकी रचना से परिलक्षित होते हैं; और जब हम विज्ञान के तथ्यों के प्रति कॉर्पोरेल इंद्रियों की झूठी गवाही देते हैं, तो हम इस वास्तविक समानता और प्रतिबिंब को हर जगह देखेंगे।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वानी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिपचरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6